नई शिक्षा नीति सकारात्मक बदलाव की स्रोत

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति सकारात्मक बदलाव की स्रोत होगी। साथ ही छात्रों को उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यदि समाज को आगे बढ़ना है तो अपनी मानसिकता में ऐसा परिवर्तन लाना होगा, जो शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य नौकरी प्राप्त करना न समझें। यह बात उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि विवि से संबद्ध सिद्धार्थ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित विमर्श-2023 को संबोधित करते हुए कही।

संस्थान के श्रीराम सभागार में आयोजित विमर्श में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने छात्र जीवन में कड़ी मेहनत और समर्पण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा किया। कुलपति ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो एक व्यक्ति को एक अच्छे नागरिक में बदल दे।

- सिद्धार्थ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में विमर्श-2023 में बोले यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार

सिद्धार्थ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित विमर्श-2023 को संबोधित करते मुख्य अतिथि यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह • सामार विवि

स्टार्टअप के विकास और इस संबंध में विवि की भूमिका से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने कहा कि स्टार्टअप एवं उद्यमिता के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने विवि की ओर से इस दिशा में उठाए गए कदमों के बारे में छात्रों को जानकारी दी। विमर्श में जीआरडी संस्थान देहरादून, आइसीएम संस्थान के छात्रों ने करियर प्लानिंग, पढ़ाई और परीक्षा के दौरान उत्पन्न होने वाले तनाव आदि विषय पर कुलपति का मार्गदर्शन मांगा। सत्र का संचालन सिद्धार्थ ला कालेज के प्रधानाचार्य डा. शराफत अली ने किया। इस मौके पर सिद्धार्थ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डीके त्यागी, प्राचार्य डा. संजय सिंह, डा. अनीता कौल, डा. प्रवीण चौधरी आदि मौजूद रहे।